सीधी निंगाह मेरे पे करदे इतणाऐ शयान भतेरा स हो बालाजी

सीधी निंगाह मेरे पे करदे,
इतणाऐ शयान भतेरा स,
होहो बालाजी।**bd**।

चरणां में सिर धरणां चाहुं,
तेरे भवन का लहणां चाहुं,
हरि कीर्तन करणां चाहुं,
काया बीच अंधेरा स,
होहो बालाजी।**bd**।

तेरे भवन में ◌ आणां चाहुं,
अपणां कर्म बणाणां चाहुं,
हरि कीर्तन गाणां चाहुं,
तुं भगवान मेरा स,
होहो बालाजी।**bd**।

और किते ना जाणां चाहुं,
मन का भगमा बाणां चाहुं,
मन भक्ति में लाणां चाहुं,
तन्नै सब बातां का बैरा स,
होहो बालाजी।**bd**।

तेरा दास बणनां चाहुं,
समचाणे में दर्शन चाहुं,
तेरी शरण में आणां चाहुं,
भक्त मुरारी तेरा स,
होहो बालाजी।**bd**।

सीधी निंगाह मेरे पे करदे,
इतणाऐ शयान भतेरा स,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

गायक – नरेंद्र कौशिक जी।
प्रेषक – राकेश कुमार खरक जाटान(रोहतक)
9992976579

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com